आज का पुरुषार्थ 24 Oct 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *"आज से हम अपनी आत्मज्योती को और बढ़ाते हुए जग को रोशन करते चले "*

दीवाली मन को **आनन्दित** करने वाला पर्व है। सारे देश में इस पर्व की उपलक्ष में **खुशी की लहर** फैल जाती है।

बाबा ने आकर, स्वयं भगवान ने आकर सब **आत्मा** की बुझी हुई ज्योत जगाई है, जिससे यह जग रोशन हो जायेगा। तो हम सभी **योगयुक्त** रहकर जितनी अपनी ज्योति जलाते रहते है, चारों ओर प्रकाश फैलता रहता है।

हमारे चारों ओर भी प्रकाश का एक सुन्दर आभामंडल, ओरा बना रहता है। इससे हमें बहुत लाभ होते है। हमारे सम्पर्क में आने वालों को भी good vibrations मिलते है।

तो हम इस दीवाली पर ऐसा अच्छा प्लैन बना ले के हमारे **आत्मज्योती** जली रहे, उसकी लौ ऊँची होती चले। तब आप सभी को इस दीवाली पर सच्ची मुबारक दी जायेगी। मानी भी जायेगी।

औपचारिक रूप से मुबारक देने का काम तो सभी करते है। हम भी कर रहे है। आप सभी भाई बहनों को, जिन्हों की आत्मा जागृत हो गई है। जिन्होंने ज्ञान योग का पथ अपना लिया है।

उन सबको इस श्रेष्ठ पर्व की बहुत बहुत बधाई हो। हमें तो **लक्ष्मी स्वरुपा** बनना है। लक्ष्मी का आह्वान तो हम कर ही रहे है। नारायण के साथ। दोनों इकट्ठे आयेंगे।

और अब ऐसी दुनिया तो आने वाली है जहाँ चारों ओर **धन-सम्पदा, सुख शान्ति होगी।** श्री लक्ष्मी और नारायण का कारोनेशन होगा। वे विश्व के मालिक होंगे।

और आप सभी को इस सुंदर बात के पहले से ही बहुत बहुत बधाई हो। सच्ची दीवाली तो हम सबकी वही होगी। और वहाँ ऐसा समय होगा, जहाँ दीवाली मनाई नहीं जायेगी।

लेकिन हर घर में दीवाली होगी। सबकी आत्मज्योत जली होगी, सब निर्विकारी होंगे। सबकी चित्त पवित्र, शुभ भावनाओं से भरे हुए होंगे।

जबकि वहाँ शुभ भावनाओं की जरूरत नहीं होगी, natural रूप से सब इस feeling में रहेंगे। चारों ओर प्रकृति का अद्भुत सौन्दर्य होगा।

लोग तो केवल पूजा कर रहे है। और हम तो अब उस दिन की **इन्तजार** कर रहे है, जब वह समय इस वसुंधरा पर तेजी से आने वाला है।

क्योंकि हम उस संसार की **स्थापना** कर रहे है। अब तो केवल हमें यह करना है, **धन सम्पन्न बनने** के लिए service पर इस खजानों से स्वयं को भरपूर करते चलना है।

सबसे बड़ा धन तो यही है → **ज्ञान का धन, दैवी गुणों का धन, श्रेष्ठ संकल्पों का खजाना, शक्तियों का खजाना। पुण्य का .. दुआओं का ..**

यह सब हमारे खजाने है। पवित्रता का खजाना ..। इनमें हम जितने सम्पन्न होते जायेंगे, हम पायेंगे कि .. स्थूल धन भी हमारा बहुत बहुत बढ़ता जायेगा। ..और इस जन्म में भी हमें कोई कमी नहीं रहेगी।

तो घृत और डाल ले। हम **ज्ञान अमृत** से हमारे आत्मज्योति जगाने के लिए दीपक में डालते है। और डाल ले। ताकि यह ज्योति कभी बुझे नहीं।

माया रावण भी तैयार बैठा रहता है इसको बुझाने के लिए। लेकिन हम जितने सावधान होंगे, जितने पावरफूल होंगे, हमारी ज्योति चमकती रहेगी। जग को प्रकाशित करती रहेगी।

तो इस श्रेष्ठ पर्व की आप सभी को पुनः बहुत बहुत मुबारक हो। और हम सभी खुशियों से अपने जीवन को **भरपूर** करते चले।

खुशियों के दीवाली प्रतिपल हमारे जीवन में रहे। आपके परिवार में **प्यार और खुशी** की गंगा बहती रहे। यही हमारी शुभ कामनाएं है। और यही दीवाली की सच्ची सच्ची बधाई है।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org